

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर त्वरित कृषि महिला सशक्तिकरण के लिए पूसा संस्थान में प्रशिक्षण का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-IARI), नई दिल्ली ने उन्नत भारत अभियान और नई विस्तार पद्धतियों और दृष्टिकोण परियोजनाओं के तहत 8 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने और कृषि महिला सशक्तिकरण में तेजी लाने के लिए कृषि महिलाओं के लिए प्रशिक्षण-सह- प्रायोगिक खेत में क्षेत्र भ्रमण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कृषि में महिलाओं के योगदान और टिकाऊ खेती के तरीकों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और हितधारक एक साथ आए। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले और उत्तराखंड के रुद्रपयाग जिले की महिला किसानों के साथ-साथ आईएआरआई के वैज्ञानिकों और छात्रों सहित 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व के साथ-साथ नेमा, उन्नत भारत अभियान, फार्मर्स फर्स्ट, मॉडल विलेज और आईएआरआई-स्वैच्छिक संगठन आधारित साझेदारी कार्यक्रम जैसी विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की दिशा में आईएआरआई के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। वाणिज्यिक फूलों की खेती, एकीकृत फार्मिंग प्रणाली, संरक्षित खेती, पोषण और महिला सशक्तिकरण, लिंग-समावेशी पोषण हस्तक्षेप के साथ-साथ फसल विविधीकरण के माध्यम से आय और रोजगार सृजन के प्रमुख मुद्दों पर भी चर्चा की गई। महिला किसानों और प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र में अपने अनुभव और योगदान साझा किए, और अधिक लिंग समावेशिता की आवश्यकता पर बल दिया। संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. आर एन पडारिया ने प्रौद्योगिकी और संस्थागत नवाचारों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर विचार प्रकट किया और कृषि में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण, नेटवर्किंग, नवाचारों के अनुप्रयोग और बालिका शिक्षा पर जोर दिया। डॉ. मनजीत सिंह नैन, डॉ. मार्कडेय सिंह, डॉ. सुभाश्री साहू, डॉ. सुकन्या बरुआ, डॉ. नफीस अहमद, डॉ. हेमलता, डॉ. अलका जोशी, डॉ. एन वी कुंभारे, डॉ. पुनीता, डॉ. मीशा माधवन ने महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियों के माध्यम से प्रतिभागियों को शिक्षित किया। बाद में महिलाओं को वाटिका बागवानी और पोषण सुरक्षा के लिए पूसा सब्जी बीज किट प्रदान किए गए। मथुरा के परियोजना गांवों की महिला किसानों को सीधी बीजाई और श्री विधि द्वारा धान की खेती को बढ़ावा देने के लिए धान के गुणवत्ता वाले बीज भी दिए गए।



